टिप्पणी

16

टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण

क्या आपने कभी सोचा है कि टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण की प ष्ठभूमि क्या है? या क्या कभी आपने कार्यक्रमों के अन्त में टेलीविजन पर दिखाये जाने वाले निर्माण प्रक्रिया में लगे लोगों के नाम पर ध्यान दिया है? कार्यक्रम के अन्त में टेलीविजन के पर्दे पर आने वाले नामों की ओर देखने की फिक्र कभी आपने नहीं की होगी। लेकिन आपको जानना चाहिये कि एक टेलीविजन कार्यक्रम बनाने में बहुत सारे कार्मिक तथा उपकरण संलग्न होते हैं।

एक दर्शक के तौर पर टेलीविजन देखते हुए आप निर्माण की जटिलताओं से अनजान रहते हैं। लेकिन पेशेवर टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण, यह स्टूडियो में किया गया हो या बाहर, एक जटिल रचनात्मक प्रक्रिया है जिसमें बहुत से लोग तथा मशीनें, ढेर सारी जानकारियाँ तथा संदेश व हद संख्या में दर्शकों तक पहुँचाने के लिए एक–दूसरे के सम्पर्क में रहते हैं।

इस पाठ में आप टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरणों, विभिन्न आवश्यक उपकरणों तथा निर्माण में लगे पेशेवरों के कार्य को समझेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित करने में सक्षम होंगेः—

- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के तीन चरणों का वर्गीकरण;
- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया की व्याख्या;
- निर्माण के लिए आवश्यक उपकरणों की पहचान;
- निर्माण में लगे महत्वपूर्ण पेशेवरों के कार्य का वर्णन।

टिप्पणी

16.1 कार्यक्रम निर्माण के चरण

आइये हम उस स्थिति को सोचें जब आप कुछ लोगों की प्रतीक्षा रात्रिभोज के लिए कर रहे हों। आप क्या तैयारियाँ करेंगे? सबसे पहले आपको खाने के व्यंजनों का निर्णय करना होगा। फिर आप सभी सब्जियाँ तथा व्यजंन बनाने के लिए जरूरी अन्य सामग्री की व्यवस्था करेंगे। यह सामग्री खरीदने के लिए आपको बाजार जाना पड़ सकता है। अब सारी व्यवस्था के बाद आप खाना बनाना चालू करेंगे। इसमें सभी सामग्रियों को सही समय पर सही मात्रा में मिलाना होगा। खाना बन जाने पर इसे परोसने की बारी आती है। जब आप विभिन्न तैयार व्यंजन सजाकर अलग–अलग बर्तनों में रखते हैं, तब वह खाने की मेज पर परोसे जाने के लिए तैयार हो जाते हैं।

इस तरह आपने देखा कि विभिन्न व्यंजन बनाने के तीन चरण थे। प्रथम चरण में आप खाना बनाने के लिए जरूरी वस्तुओं की व्यवस्था करते हैं। दूसरे में आप खाना बनाते हैं तथा तीसरे चरण में आप इसे खाने की मेज पर परोसते हैं।

चित्र 16.1 (अ)

चित्र 16.1 (ब)

चित्र 16.1 (स)

अब कल्पना करिये आपको एक टेलीविजन कार्यक्रम बनाना है। इसी प्रकार पहले आप कार्यक्रम निर्माण में आवश्यक सामग्रियाँ जुटायेंगे। दूसरे चरण में आप निर्माण प्रक्रिया में संलग्न होंगे और तीसरे में टेलीविजन पर प्रस्तुतीकरण के लिए आप उत्पाद को चमकाएँगे। इस प्रकार हम समूची निर्माण प्रक्रिया को तीन चरणों में बाँट सकते हैं:–

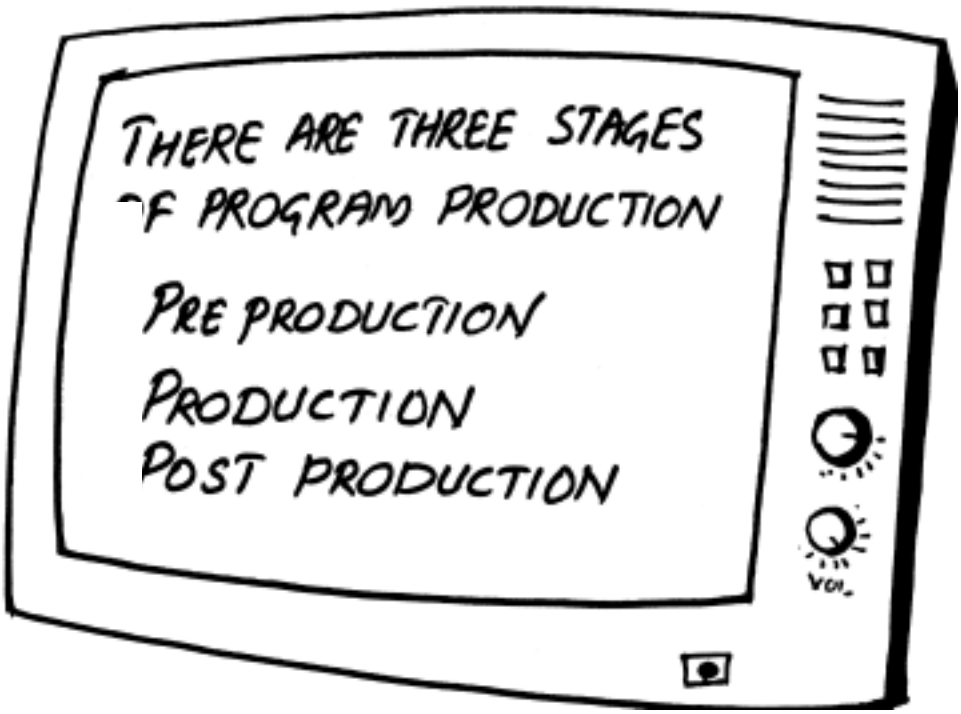

चित्र 16.2

टिप्पणी

कार्यक्रम निर्माण के तीन चरण होते हैं:–

1. निर्माण पूर्व की अवस्था
2. निर्माण की अवस्था
3. निर्माण पश्चात की अवस्था

निर्माण पूर्व की अवस्था

इस चरण में वह सब कुछ शामिल है जो आप स्टूडियो में प्रवेश से पहले या शूटिंग स्थल पर जाने से पूर्व करते हैं। इसमें विचार मंथन, अनुसंधान, स्क्रिप्ट लेखन, निर्माण में सहयोगी सदस्यों तथा कलाकारों से चर्चा, उपकरण, विडियो/ऑडियो टेप, शूटिंग के सेट की सामग्रियाँ (प्रापर्टी), वस्त्र (कास्ट्यूम), सेट सज्जा या शूटिंग स्थल (लोकेशन) की खोज तथा विडियो सम्पादन के लिए बुकिंग सभी सम्मिलित हैं।

और इन सबके लिए पूर्व योजना की आवश्यकता होती है। यह बहुत जरूरी है कि आपको इच्छित परिणाम प्राप्त हो। अगर आपके पास रसोई में सारा कच्चा माल तैयार है, तो आप खाना आसानी से बना सकते हैं। इसी तरह अगर कार्यक्रम निर्माण के इस चरण में आपने अच्छी तरह काम किया है, तो अन्य दो चरण आसान तथा निर्वाह योग्य बन जायेंगे।

चित्र 16.3: निर्माण पूर्व चरण - विचार स्पष्ट करना

निर्माण की अवस्था

इस चरण में आप स्टूडियो फ्लोर या लोकेशन पर होते हैं और या तो शूटिंग कर रहे होते हैं या उसके लिए तैयार होते हैं। (इसकी तुलना आप उस स्थिति से कर सकते हैं जब आप रसोई में खाना बना रहे होते हैं।) इसमें सभी सुविधाओं की व्यवस्था, अदाकारों तथा क्रू (निर्माण में संलग्न लोग) के साथ तालमेल, भीड़ नियंत्रण, बिना व्यवधान के शूटिंग तथा उस समय उस स्थल पर आई अन्य किसी समस्या का समाधान सम्मिलित है।

निर्माण पश्चात की अवस्था

यह कार्यक्रम निर्माण का तीसरा चरण है। इसमें आप कार्यक्रम को एक अन्तिम आकार दे देते हैं ठीक उसी तरह जैसे आप व्यंजन सजाकर खाने की मेज पर परोसने के लिए तैयार करते हैं। इसमें रिकार्डेड द श्यों को समुचित लम्बाई में काटना, द श्यों को उचित क्रम में व्यवस्थित करना, द श्यों या लिखित सामग्री (टैक्स्ट)/कैप्शन को इच्छित प्रभाव देना, कमेंट्री रिकार्डिंग, संगीत/गीत रिकार्डिंग तथा समूचे कार्यक्रम को अंतिम रूप से संयोजित करना शामिल है।

पाठगत प्रश्न 16.1

1. उचित उत्तर पर सही का चिन्ह लगाइये।

   (i) निर्माण प्रक्रिया को विभाजित किया जा सकता है—

   (क) दो चरणों में

   (ख) चार चरणों में

   (ग) तीन चरणों में

   (घ) पाँच चरणों में।

   (ii) विचारमंथन अंग है—

   (क) निर्माण पूर्व की अवस्था

   (ख) निर्माण की अवस्था

   (ग) निर्माण पश्चात की अवस्था

   (घ) इनमें से कोई नहीं

2. उचित शब्द/शब्दों के साथ रिक्त स्थानों की पूर्ति करिये—

टिप्पणी

(i) निर्माण पूर्व चरण में समस्त पूर्व ..... शामिल है।

(ii) निर्माण पूर्व की प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण तत्व ..... है।

(iii) ..... में द श्यों को उचित लम्बाई में काटना शामिल है।

3. निम्न चरणों को उनके आगे 1,2, या 3 लिखकर सही क्रम में व्यवस्थित करिये—

(i) निर्माण पश्चात अवस्था

(ii) निर्माण पूर्व अवस्था

(iii) निर्माण की अवस्था

16.2 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया

हम सभी जानते हैं कि खाना बनाने के क्रम में हमें विभिन्न सामग्रियों जैसे सब्जियाँ, बर्तन, चाकू, मसाले, पानी, तेल आदि की जरूरत पड़ती है? इसी तरह टेलीविजन कार्यक्रम बनाने में हमें विभिन्न उपकरणों और उन्हें चलाने के लिए व्यक्तियों की जरूरत एक विशेष प्रकार के कार्यक्रम के निर्माण के लिए पड़ती है।

आइये अब हम निर्माण प्रक्रिया में आवश्यक उपकरणों की चर्चा करें।

निर्माण हेतु आवश्यक यंत्र व उपकरण

कल्पना करिये कि आपको कैनवस पर कुछ पेंट करना है। निश्चित रूप से आपको एक ब्रश, रंग और पैलेट की जरूरत होगी। इसी प्रकार अगर आप एक अच्छा टेलीविजन कार्यक्रम बनाना चाहते हैं, तो आपको कैमरा, लाइट, साउंड रिकार्डर आदि कुछ उपकरणों की आवश्यकता होगी। हम मूलभूत निर्माण तत्वों को निम्नलिखित श्रेणियों में बाँट सकते हैं—

कैमरा

किसी एक या प्रत्येक निर्माण का मूलभूत उपकरण है कैमरा। हमारे जीवन में भी हममें से अनेक या हमारे मित्रों ने विभिन्न आयोजनों का फोटो लेने के लिए कैमरे का इस्तेमाल किया होगा।

अगर आप किसी कैमरे को ध्यान से देखें तो आपको इसमें एक लेंस दिखेगा। यह लेंस देखे जा सकने वाले समूचे माहौल के एक हिस्से का चयन करता है और इस तरह एक छोटा द श्य बिंब बनाता है। कैमरा मुख्यतः द श्य बिंब को, जिस प्रकार लेंस प्रक्षेपित करता है, उसी प्रकार के विद्युत संकेतों में बदल देता है जिसे विडियो सिग्नल कहते हैं।

चित्र 16.4: कैमरा

लाइट्स (प्रकाश)

क्या आपने मद्विम रोशनी में कुछ देखने का प्रयास किया है? इसे देखना मुश्किल होता है। अब सोचिये कि आप अंधेरे में देख रहे हैं। आप सोचेंगे कि अंधेरे में कैसे देखा जा सकता है? मानवीय नेत्र की तरह कैमरा भी बिना एक निश्चित मात्रा के प्रकाश के नहीं देख सकता। यहीं टेलीविजन निर्माण में प्रकाश की भूमिका होती है। किसी वस्तु या व्यक्ति की लाइटिंग के तीन मुख्य उद्देश्य होते हैं–

1. तकनीकी रूप से स्वीकार्य चित्र प्राप्त करने के लिए टेलीविजन कैमरे को उचित प्रकाश उपलब्ध कराना।

2. दर्शकों को टेलीविजन के पर्दे पर कोई वस्तु वैसा ही दिखलाना जैसा वह वास्तव में दिखती हैं। उदाहरण के लिए– अगर किसी कमरे में प्रकाश नहीं है तो आप यह देखने योग्य नहीं होंगे कि कुर्सी, मेज या कोई अन्य वस्तु कैसी दीखती हैं। लाइट्स हमें यह भी जानने में मदद करते हैं कि घटना किस मौसम या दिन के किस समय की है।

3. घटना के माहौल को बनाना

टिप्पणी

चित्र 16.5: लाइट्स

माइक्रोफोन

अनेक अवसरों पर बोलने के लिए आपने लोगों को माइक्रोफोन का इस्तेमाल करते देखा होगा। क्या आपने कभी सोचा कि वास्तव में हम माइक्रोफोन का उपयोग करते क्यों हैं?

जिस तरह आपने जाना कि कैमरा द श्य को विद्युत संकेतों में बदल देता है उसी तरह माइक्रोफोन ध्वनि तरंगों को विद्युत ऊर्जा या ऑडियो सिग्नल में परिवर्तित कर देता है। लेकिन जो ध्वनि हम निकालते हैं वह स्वभावतः बहुत कमजोर होती हैं अतः इसे लम्बी दूरी तक नहीं भेजा सकता। इसीलिए इन ध्वनि संकेतों का विस्तार (एम्प्लिफाई) करते हैं और लाउडस्पीकर तक भेजते हैं जो इसे पुनः श्रव्य ध्वनि में बदल देता है।

विभिन्न उद्देश्यों के लिए अलग–अलग प्रकार के माइक्रोफोन होते हैं। एक समाचार एंकर की आवाज लेने के लिए, टेनिस मैच की ध्वनि पकड़ने के लिए तथा एक रॉक कंसर्ट की रिकार्डिंग के लिए अलग–अलग माइक्रोफोन या माइक्रोफोन सेट की जरूरत होती है।

चित्र 16.6: माइक्रोफोन

टिप्पणी

साउंड रिकॉर्डर

पहले के एक पाठ में आपने जाना था कि रेडियो एक श्रव्य माध्यम है जबकि मुद्रित माध्यम द श्य सामग्री पर निर्भर होता है। जबकि टेलीविजन में द श्य के साथ रेडियो की निजी तात्कालिकता सम्मिलित होती है। यही द श्य–श्रव्य चरित्र इसे विश्वासोत्पादक ढंग से यथार्थ के सम्प्रेषण की शक्ति देता है।

टेलीविजन की ध्वनि/ऑडियो न केवल सूचनाओं के संप्रेषण करता है बल्कि पर्दे पर ऑडियो के साथ आ रहे द श्य का माहौल प्रस्तुत करने में भी योगदान करता है। साउंड रिकॉर्डर माइक्रोफोन द्वारा पकड़ी गयी ध्वनि की रिकार्डिंग करता है।

एक साउंड रिकॉर्डर से आप कर सकते हैं—

1. एक विशेष माइक्रोफोन का चयन या कोई अन्य ध्वनि इनपुट।
2. एक माइक्रोफोन या अन्य ध्वनि स्रोत के कमजोर संकेतों को पुनः प्रसंस्करण हेतु विस्तारित।
3. वाल्यूम का नियंत्रण तथा ध्वनि की गुणवत्ता सुधार।
4. दो या अधिक ध्वनि स्त्रोतों से आने वाली ध्वनियों को मिलाना या एकीकृत करना।

विडियो टेप रिकॉर्डर

जैसा कि हम जानते हैं टेलीविजन एक द श्य–श्रव्य माध्यम है, हमें द श्य तथा श्रव्य दोनों तत्वों की रिकॉर्डिंग की आवश्यकता होती है। जबकि ध्वनि या ऑडियो की रिकॉर्डिग साउंड रिकॉर्डर पर की जाती है द श्यों की रिकॉर्डिंग एक विडियो टेप रिकॉर्डर में विडियो टेप पर की जाती है।

अधिकतर टेलीविजन कार्यक्रम जो हम देखते हैं, उन्हे वास्तविक प्रसारण से पूर्व विडियो टेप या कम्प्यूटर डिस्क पर रिकॉर्ड किया जाता है।

पोस्ट प्रोडक्शन एडिटिंग मशीन

जैसी चर्चा हमने पहले की है भोजन परोसने से पहले हम इसे सजाते हैं। इसी तरह टेलीविजन पर किसी कार्यक्रम के वास्तविक प्रसारण से पहले हमें निर्माण पश्चात की अवस्था या पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य करना होता है।

इस चरण में हम रिकॉर्ड की गयी सामग्री में से वे द श्य चुनते हैं जो अधिक प्रासंगिक होते हैं और उनकी कॉपी एक अन्य विडियो टेप पर एक विशेष क्रम में करते हैं। इसे एडिटिंग (सम्पादन) कहते हैं। पोस्ट प्रोडक्शन एडिटिंग उपकरण/यंत्र रिकॉर्डिंग के पश्चात कार्यक्रम के सम्पादन में मदद करते हैं। अनेक विस्त त सम्पादन के साथ ये सिस्टम हमें इच्छित परिणाम प्राप्त करने में मदद करते हैं। इनमें से अधिकांश आपके

टिप्पणी

लिए रचनात्मक निर्णय नहीं ले सकते। इसीलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम इच्छित परिणाम को समझें तथा तद्नुसार शूटिंग करें। पुनः निर्माण पूर्व निर्माण के चरण जितने ही अच्छे होंगे निर्माण पश्चात का कार्य उतना ही अच्छा होगा।

पाठगत प्रश्न 16.2

1. दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर पर सही का चिन्ह (√) लगायें:–

   (i) इनमें से कौन ध्वनि तरंगों को विद्युत ऊर्जा या ध्वनि संकेत में बदल देता है–

   (क) लाइट्स (ख) कैमरा

   (ग) माइक्रोफोन (घ) स्विचर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करिये–

   (i) टेलीविजन कैमरा ..... बिबं को ..... संकेत में बदल देता है।

   (ii) अधिकांश टेलीविजन कार्यक्रम ..... पर या कम्प्यूटर डिस्क पर रिकॉर्ड किये जाते हैं।

3. निर्माण के लिए प्रयुक्त किन्हीं पाँच उपकरणों का नाम दीजिये।

16.3 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में संलग्न होने वाले महत्वपूर्ण पेशेवर

आप जानते हैं कि आपकी माँ अकेले स्वादिष्ट भोजन बना सकती हैं। आपकी बहन भी बिना किसी मदद के यह काम कर सकती हैं। लेकिन टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में ऐसा नहीं होता। टेलीविजन के लिए निर्माण एक सुंयक्त प्रयास है। इस टीम में प्रमुख सदस्यों के रूप में रचनाधर्मी और अन्य सहयोगी स्टाफ होते हैं। यह भी हो सकता है कि सदस्य एक से अधिक भूमिका निभाएँ और यह संगठन या प्रोडक्शन हाउस तथा कार्यक्रम के प्रकार तथा माप पर निर्भर करता है। विभिन्न सदस्य अपने कार्य विशेष के अतिरिक्त एक टीम के तौर पर मिलजुल कर काम करते हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि हर खेल, जैसे क्रिकेट में प्रत्येक सदस्य अपने आप में महत्वपूर्ण होता है इसी तरह टेलीविजन हेतु निर्माण भी है। जहाँ प्रत्येक सदस्य की निर्णायक भूमिका होती है।

टेलीविजन हेतु निर्माण एक टीम प्रयास है।

आइये अब हम टेलीविजन हेतु निर्माण में निभायी जाने वाली टीम सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिकाओं की चर्चा करें।

निर्माता (प्रोड्यूसर)

टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में निर्माता कहा जाने वाला निर्माण प्रमुख समूचे निर्माण का प्रभारी होता है। निर्माता बजट की व्यवस्था करता है तथा विज्ञापन एजेंसियों, अदाकारों तथा लेखकों के बीच समन्वय का कार्य भी करता है। निर्माता निर्माण में लगे सभी व्यक्तियों तथा तकनीकी व गैरतकनीकी लोगों के बीच समन्वय के लिए भी उत्तरदायी होता है।

निर्देशक (डाइरेक्टर)

निर्देशक कौन होता है? टेलीविजन हेतु निर्माण में निर्देशक तकनीकी कार्यों तथा अभिनेताओं के निर्देशन का प्रभारी होता है। निर्देशक स्क्रिप्ट को प्रभावी ऑडियो व विडियो संदेश में ढालने के लिए अन्तिम रूप से उत्तरदायी होता है। कहाँ कैमरा रखा जायेगा, किस प्रकार के द श्य का छायांकन करना है, कहाँ अभिनेता खड़े होंगे, यह सभी निर्देशक नियंत्रित करता है।

चित्र 16.7: निर्देशक

निर्माण सहायक (प्रोडक्शन असिस्टेंट)

निर्माण सहायक टेलीविजन हेतु निर्माण के सहज निष्पादन के लिए आवश्यक सब कुछ उपलब्ध कराता है। यह निर्माता और निर्देशक दोनों का सहयोग करता है।

स्क्रिप्ट राइटर

टेलीविजन हेतु निर्माण की एक मूलभूत आवश्यकता है स्क्रिप्ट। स्क्रिप्ट में कार्यक्रम के

टिप्पणी

सभी तत्वों जैसे संवाद, अभिनेताओं की सूची, कास्ट्यूम (वस्त्र) प्रत्येक द श्य में स जित होने वाला माहौल और उसका लोकेशन का विस्तार से उल्लेख होता है। स्क्रिप्ट राइटर वह व्यक्ति है जो कार्यक्रम हेतु स्क्रिप्ट लिखता है। छोटे स्तर के निर्माण में यह कार्य निर्देशक कर लेता है और यदि जरूरत पड़ी तो स्क्रिप्ट राइटर को मेहनताना देकर रखा जाता है।

अभिनेता (एक्टर्स)

अभिनेता स्क्रिप्ट की जरूरत के मुताबिक विभिन्न भूमिका अदा करने वाले लोग होते हैं।

एंकर

एंकर वह व्यक्ति है जो औपचारिक रूप से टेलीविजन पर कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। उदाहरण के लिए, न्यूज एंकर टेलीविजन पर समाचार प्रस्तुत करते हैं जबकि ऐसे एंकर भी होते हैं जो सा रे ग म प तथा इंडियन आइडॉल जैसे रियलिटी शो प्रस्तुत करते हैं।

आपका पसंदीदा एंकर कौन है? वह किस कार्यक्रम को एंकर करता/करती है?

चित्र 16.8: एंकर

कैमरापर्सन

कैमरापर्सन कैमरा संचालित करता है। लघु स्तर के निर्माण में वे लाइटिंग व्यवस्था भी कर लेते हैं। इन्हें विडियोग्राफर्स भी कहा जाता है।

चित्र 16.9: (अ) कैमरापर्सन

चित्र 16.9: (ब) कैमरापर्सन

टिप्पणी

साउंड रिकॉर्डिस्ट

एक साउंड रिकार्डिस्ट कार्यक्रम का संपूर्ण साउंड ट्रैक (संवाद और विशेष ध्वनि प्रभाव) रिकार्ड करता है। यह कार्यक्रम के साथ बजने वाले बैकग्राउंड संगीत के लिए भी उत्तरदायी होता है।

कला निर्देशक

कला निर्देशक रचनात्मक डिजाइन के लिए जिम्मेदार होता है जिसमें सेट डिजाइन, लोकेशन और शो का ग्राफिक सम्मिलित है।

प्रापर्टी मैनेजर

प्रापर्टी मैनेजर विभिन्न सेट तथा अन्य संपत्ति के उपयोग की देखभाल और व्यवस्था करता है। यह ब हद स्तर के निर्माण में ही होता है अन्यथा यह कार्य फ्लोर मैनेजर ही कर लेता है।

फ्लोर मैनेजर

फ्लोर मैनेजर स्टूडियो फ्लोर पर हो रही सभी गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होता है। वह विभिन्न रचनाधर्मियों के बीच समन्वय करता है, निर्देशक के निर्देश सबको बताता है, तथा फ्लोर पर काम कर रहे अन्य कर्मियों को निर्देश देता है। उसे फ्लोर मैनेजर या स्टेज मैनेजर भी कहते हैं।

वस्त्र सज्जाकार (कॉस्ट्यूम डिजाइनर)

वस्त्र सज्जाकार डिजाइनर विभिन्न नाटक, न त्य और बच्चों के शो के लिए परिधान की डिजाइन करता है और उन्हें बनाता भी है।

क्रियाकलाप 16.1: जो टेलीविजन कार्यक्रम आप देखते हैं उसके प्रारम्भ या अन्त में पर्दे पर आने वाले सभी नामों की सूची तैयार कीजिये।

16.4 स्टूडियो तथा आउटडोर रिकॉर्डिंग

आपने ध्यान दिया होगा कि जो कार्यक्रम आप टेलीविजन पर देखते हैं वह या कमरे के अन्दर शूट किया गया होता है बन्द जगह में या तो खुली जगह में शूट किया गया होता है जिसे हम आउटडोर एरिया कहते हैं। इस तरह हम जितने कार्यक्रम देखते हैं उनकी रिकॉडिंग भी मुख्यतः दो तरह से होती है या स्टूडियो के अन्दर या आउटडोर लोकेशन में।

स्टूडियो की चारदीवारी के अन्दर टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण हेतु की गयी रिकॉर्डिंग

को स्टूडियो रिकॉर्डिंग कहते हैं जबकि ऐसी कोई रिकॉर्डिंग जिसमें स्टूडियो के बाहर शूटिंग की गयी हो, आउटडोर रिकॉर्डिंग कही जाती है।

चित्र 16.10: (अ) स्टूडियो रिकॉर्डिंग

चित्र 16.10: (ब) आउटडोर रिकॉर्डिंग

टिप्पणी

सजीव (लाइव) टेलीविजन कार्यक्रम तथा रिकॉर्डेड टेलीविजन कार्यक्रम

क्या आपने टेलीविजन पर कभी क्रिकेट मैच देखा है जो वास्तव में किसी अन्य देश में उसी समय खेला जा रहा था? या गणतंत्र दिवस परेड जो नई दिल्ली में हो रही थी? ये सभी कार्यक्रम टेलीविजन पर 'लाइव' या 'सजीव' प्रसारित किये जाते हैं।

इन कार्यक्रमों की सफलता पूर्णतः संलग्न रचनाधर्मियों तथा निर्माण सदस्यों (क्रू) की कार्यकुशलता पर निर्भर होती है। रिकॉर्डेड कार्यक्रमों की सफलता के बेहतर अवसर होते हैं क्योंकि अधिक संतोषप्रद इच्छित द श्य प्राप्त करने के लिए रीटेक (पुनः छायांकन) की संभावना होती हैं। लेकिन दूसरी ओर, सजीव कार्यक्रम तेजी से बनाये जा सकते हैं। लाइव कार्यक्रम दर्शक के मस्तिष्क में आवेग उत्पन्न करते हैं।

रिकॉर्डेड कार्यक्रमों में मार्केटिंग के अवसर बेहतर होते हैं क्योंकि इन्हें सुधार कर बाद में संपादित किया जा सकता है लेकिन इनमें लाइव कार्यक्रमों जैसा आवेग उत्पन्न नहीं होता। कार्यक्रम फॉरमैट जो भी हो, लाइव या रिकॉर्डेड, निर्माण पूर्व अनुसंधान तथा लेखन कार्य एक टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण हेतु अपरिहार्य है।

पाठगत प्रश्न 16.3

नीचे दी गयी सूची में से टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में संलग्न केवल महत्वपूर्ण पेशेवरों को चुनें–

(i) पुष्प सज्जाकार

(ii) वस्त्र सज्जाकार

(iii) पार्श्वगायक

(iv) निर्माता

(v) ऑरकेस्ट्रा प्लेयर्स

(vi) मंच सज्जाकार

(vii) निर्देशक

(viii) न त्य निर्देशक

(ix) निर्माण सहायक

(x) कैमरापर्सन

टिप्पणी

16.5 आपने क्या सीखा

→ टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण

कार्यक्रम निर्माण के चरण

- निर्माण पूर्व की अवस्था
- निर्माण पूर्व की अवस्था
- निर्माण की अवस्था

टेलीविजन हेतु निर्माण प्रक्रिया

- आवश्यक यंत्र/उपकरण
- कैमरा
- लाइट्स
- माइक्रोफोन
- साउंड रिकॉर्डर
- विडियोटेप रिकॉर्डर
- एडिटिंग मशीन

टेलीविजन हेतु निर्माण में महत्वपूर्ण पेशेवर

- निर्माता
- निर्देशक
- स्क्रिप्ट राइटर
- कैमरापर्सन
- साउंड रिकॉर्डिस्ट
- कला निर्देशक

स्टूडियो और आउटडोर रिकॉर्डिंग

सजीव टेलीविजन कार्यक्रम तथा रिकॉर्डिड टेलीविजन कार्यक्रम

टिप्पणी

16.6 पाठान्त प्रश्न

1. टेलीविजन हेतु निर्माण क्या है?
2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरणों का वर्णन करिये।
3. किसी टेलीविजन कार्यक्रम के लिए निर्माण पूर्व चरण का महत्व बताइये।
4. किसी टेलीविजन कार्यक्रम में कैमरा, लाइट्स तथा रिकॉर्डर का क्या कार्य है?
5. निर्माण हेतु आवश्यक विभिन्न उपकरणों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।
6. कार्यक्रम निर्माण में महत्वपूर्ण पेशेवरों के कार्य का वर्णन कीजिये।

16.8 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

16.1 1. (i) ग

(ii) क

2. (i) योजना

(ii) स्क्रिप्ट

(iii) पोस्ट प्रोडक्शन/एडिटिंग

3. निर्माण पश्चात–3

निर्माण पूर्व–1

निर्माण की अवस्था–2

16.2 1. (i) ग

2. (ii) द श्य, विद्युत

(iii) विडियोटेप

3. कैमरा

लाइट्स

माइक्रोफोन

टिप्पणी

विडियोटेप रिकॉर्डर

साउंड रिकॉर्डर

16.3 (i) वस्त्र सज्जाकार

(ii) निर्माता

(iii) निर्देशक

(iv) निर्माण सहायक

(v) कैमरा पर्सन